प्रेस विज्ञप्ति

भारत संघ के 69 वें गणतंत्र दिवस पर किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के प्रांगण में ध्वजारोहण कार्यक्रम का आयोजन बड़े ही हर्षो उल्लास के साथ किया गया। इस अवसर पर चिकित्सा विश्वविद्यालय के मा0 कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी द्वारा ध्वजारोहण किया गया।

इस अत्यंत पावन पर्व पर मा0 कुलपति जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत के 69 वें गणतंत्र दिवस पर किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय के परिवार के सभी सदस्यों को मेरी ओर से एवं विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर हार्दिक बधाई एवं शुभ कामना। आज के ही दिन भारत एक सार्वभौम लोकतांत्रिक गणराज्य बना और हमें अपना स्वतः का बनाया हुआ संविधान प्राप्त हुआ। इस संविधान द्वारा प्रभुसत्ता सम्पन्न स्वतंत्र राष्ट्र का निर्माण हुआ। इस संविधान के द्वारा भारत की विविधता में एकता की विरासत की रक्षा की व्यवस्था के साथ, सभी के विकास के समान अवसर की व्यवस्था की गई। इस गौरव का अनुभव व अभिमान करते हुए हमारा दायित्व बनाता है कि हम तन, मन, धन से इस अमूल्य धरोहर को अक्षुण्ण बनाएं रखें।

चिकित्सा विश्वविद्यालय की स्थापना के 113 वर्ष हो गये हैं। सन् 2002 में किंग जार्ज मेडिकल कॉलेज के चिकित्सा शिक्षा एवं चिकित्सा में महत्वपूर्ण योगदान को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा इसे विश्वविद्यिालय का दर्जा प्रदान किया गया। सन् 2008 में विश्वविद्यालय को एपेक्स इंस्टीट्यूट का गौरव पूर्ण स्थान प्राप्त हुआ। सन् 2016 में विश्वविद्यालय आयोग द्वारा किये सर्वेक्षण में एनआईआरएफ की रैकिंग में चिकित्सा विश्वविद्यालय को 16वां स्थान प्राप्त हुआ। वर्ष 2017 में NAAC-A ग्रेड का प्रत्यायन प्राप्त हुआ। पूरे प्रदेश का यह पहला विश्वविद्यालय था जिसे यह उपलब्धि प्राप्त हुई। इस्टीट्यूट ऑफ इमिनेंस के लिए देश के शीर्ष 32 संस्थानों मे चुना जाना चिकितसा विश्वविद्यालय के लिए गर्व की बात है। विश्वविद्यालय के माइक्रोबायोलॉजी लैब और केमिकल पैथोलॉजी लैब को एन0ए0बी0एल0 की मान्यता प्राप्त हो चुकी है, जिससे अब यहां की जांचो को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त हो सकेगी। यह सारी उपलब्धियॉ विश्वविद्यालय परिवार के सम्मिलित प्रयास का ही परिणाम है। विश्वविद्यालय को आऊट लूक पत्रिका द्वारा देश के शीर्ष शैक्षणिक संस्थानों 5वां स्थान एवं इण्डियाटूडे द्वारा 7 वां स्थान प्रदान किया गया है।

विश्वविद्यालय में हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन विभाग एवं मेडिकल एजुकेशन विभाग नये कोर्ष को प्रारम्भ किया गया, खेलकुद एवं यूवा मंत्रालय द्वारा विश्वविद्यालय में स्पोर्ट्स मेडिसिन विभाग की स्थापना की गई, पीडियाट्रिक अर्थोपेडिक सर्जरी विभाग की स्थापना को एमसीआई द्वारा सहयोग प्रदान किया जाना, शीघ्र ही अत्याधुनिक बर्न यूनिट, इस्टीट्यूट ऑफ स्किल, अत्याधुनिक अंग प्रत्यारोपण इकाई की स्थापना एवं मानव मिल्क बैंक की स्थापना भी विश्वविद्यालय में शीघ्र होने वाला है।

विगत एक वर्षो में विश्वविद्यालय में 400 किलोवाट की सोलर पॉवर एनर्जी को लगाया जा चुका है। 100 किलो वॉट का सोलर एनर्जी प्लांट प्लास्टिक सर्जरी विभाग में स्थापना होनी है तथा सोलर किचन की स्थापना हो चुकी है।

संस्थान में तरल आक्सीजन प्लांट की स्थापना हो चुकी है जिसे शीघ्र ही संस्थान के पूरे अस्पतालों में उलपब्ध करा दिया जायेगा। नवजात बच्चों को स्पीच एवं हियरिंग थेरेपी देने के लिए ऑल इण्डिया इंस्टीट्यूट ऑफ स्पीच एण्ड हियरिंग के साथ आपसी समझौता पत्र पर हस्ताक्षर किया गया है। भारत सरकार द्वारा

विश्वविद्यालय में स्वास्थ्य एवं शिक्षा के प्रसार हेतु समुदायिक रेडियो स्टेशन की स्थापना एक महत्वपूर्ण कदम है। संकाय सदस्यो की अधिवर्षता आयु एम0सी0आई0 के मानको के अनुसर 65 से 70 वर्ष करना। डेगू, इंसेफलाटिस एवं स्वाइन फ्लू हेतु वी0आर0डी0एल0 लैब तथा गैर संचारी बीमारियों के लिए डी0एच0आर0 एम0आर0यू0 लैब की स्थापना कीया गया। संस्थान में एडवांस सीटी स्कैन, एमआरआई एवं लीनियर एक्सिलरेटर ब्राचं की स्थापना की जायेगी।

मा0 कुलपति जी द्वारा चिकित्सा विश्वविद्यालय के समस्त कर्मचारियों एवं संकाय सदस्यों से अनुरोध किया गया की वे अपने स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखें। कैम्पस को स्वच्छ रखें और कैम्पस के भीतर वाहनो का न्यूनतम प्रयोग करें। चिकित्सा विश्वविद्यालय के सोसल आऊटरीच कार्यक्रम के तहत विभिन्न स्वास्थ्य कैम्प, एवं अंधता निवारण में किये गये कार्यो को सराहा जा रहा है। चिकित्सा विश्वविद्यालय का ट्रॉम सेण्टर गर्व का सेण्टर है। 220 बेड के ट्रॉमा सेण्टर के विस्तार का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। चिकित्सा विश्वविद्यालय में मानव श्रमशक्ति की कमी है। वेंटिलेटर यूनिट, इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल, बर्न यूनिट एवं आर्गन ट्रांसप्लांट यूनिट के लिए मैन पावर की अवश्यकता है, जिसकी मांग शासन से की गई है।

चिकित्सा विश्वविद्यालय हमारे सम्मिलित प्रयास से प्रदेश का ही नही देश का अग्रणी संस्थान है, जिसका प्रमाण है बड़ी संख्या में मरीजो का एक आशा के साथ यहां पर आना। हम इस संस्थान को उच्चतम शिखर पर पहुंचा सकते है।

'नर सेवा नरायण सेवा' की भावना से यदि हम कार्य करेंगे तो आत्म सुख, संतोष एवं आनन्द की प्राप्त की जा सकती है। इससे हमारे व्यवसाय की गरीमा बढ़ेगी साथ व्यक्तिगत प्रतिष्ठा भी प्राप्त होती है।

मा0 कुलपति जी द्वारा अंत में सभी उपस्थित व्यक्तियों से अनुरोध किया गया कि वे व्यक्तिगत हितो से ऊपर उठकर संस्थान के हित में मरीज के हित में, चिकित्सा शिक्षा के हित में कार्य करें। हमें अपना जीवन मंत्र बनाना है-''सेवा परमो धर्मः'' तभी हम अपने संस्थान का नाम ऊंचा कर पाने में सफल होंगे तथा हम समाज में सम्मान के हकदार होंगे।

(प्रो0 नरसिंह वर्मा)	**(प्रो0 विभा सिंह)**	**(डॉ0 सुधीर सिंह)**
संकाय प्रभारी,	संकाय प्रभारी,	संकाय प्रभारी,
मीडिया सेल, केजीएमयू	मीडिया सेल केजीएमयू	मीडिया सेल, केजीएमयू